ISSN: 2393-8048

शहरीकरण और भारतीय समाज: बदलती जीवनशैली एवं सामाजिक संबंध

चंद्रकांत चावला, सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र, सूरतगढ़ पी.जी कॉलेज, सूरतगढ़

सार

शहरीकरण आधुनिक भारतीय समाज में सामाजिक परिवर्तन की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। रोजगार, शिक्षा, बेहतर जीवन-स्तर और आर्थिक अवसरों की तलाश में ग्रामीण एवं छोटे शहरों से बड़े शहरी केंद्रों की ओर बढ़ता प्रवासन भारतीय समाज की संरचना और सामाजिक संबंधों को निरंतर प्रभावित कर रहा है। शहरीकरण के परिणामस्वरूप परिवार, पड़ोस, सामुदायिक संबंध, उपभोग की प्रवृत्तियों और जीवनशैली में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिलते हैं। संयुक्त परिवार की अपेक्षा एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा तथा डिजिटल संचार के विस्तार ने सामाजिक अंतःक्रिया के स्वरूप को भी बदला है। दूसरी ओर, शहरी जीवन में आवास की समस्या, सामाजिक अलगाव, आर्थिक असमानता, अनौपचारिक रोजगार और संसाधनों तक असमान पहुँच जैसी चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य भारतीय समाज में शहरीकरण के प्रभावों का समाजशास्त्रीय अध्ययन करना तथा बदलती जीवनशैली एवं सामाजिक संबंधों के स्वरूप का विश्लेषण करना है। अध्ययन यह स्पष्ट करने का प्रयास करता है कि शहरीकरण जहाँ नए अवसरों और सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा देता है, वहीं यह सामाजिक असमानता और संबंधों के पुनर्गठन की नई चुनौतियाँ भी उत्पन्न करता है।